

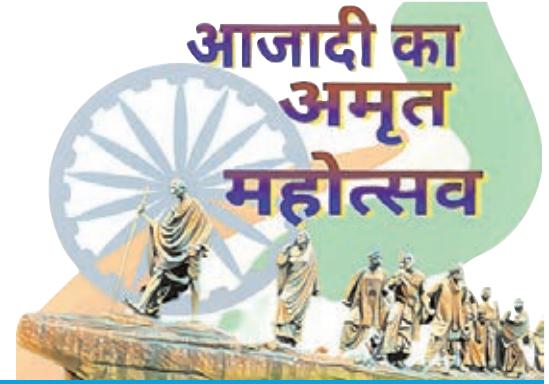
सुप्रभात
रांची, सोमवार
14.08.2023

* नगर संस्करण | पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ



khabarmantra.net श्रावण (मलमास), कृष्ण पक्ष, श्रयोदशी, संवत् 2080 मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 11 | अंक : 35 | ०६ आजाद भारत में आदिवासियों के अस्तित्व की चिंता

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास

भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद

साथ आएं - देश बनाएं



77वें स्वतंत्रता दिवस की प्रदेश वासियों एवं पांकी विधानसभा क्षेत्र वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

हमारी उपलब्धियाँ

- जर्जर डालटेनगंज-पांकी पथ एवं सगालिम-पदमा पथ का निर्माण।
- 148 कि. मी. ग्रामीण पर्यावरण का निर्माण एवं विशेष मरम्मती योजना प्रक्रियाधीन।
- प्रखण्ड नीलाम्बर-पीताम्बरपुर के अमवाखुर्द एवं बौराखाड़ में पिरी नदी पर पुल निर्माण।
- मनातू प्रखण्ड के तिलो-मनातू पथ में जमुआ नदी एवं करैला-मधेया पथ में जिंजोई नदी पर पुल निर्माण।
- तरहसी प्रखण्ड के गोईन्दी में धनकी मनाठी में सतनदिया पर पुल निर्माण हेतु टेंडर सम्पन।
- प्रधानमंत्री जल-नल योजना अंतर्गत लगभग 250 करोड़ की लागत से वृहद जलापूर्तियोजना से हर धर में नल से जल पहुँचाने का कार्य प्रगति पर।
- विभिन्न विद्यालयों एवं चाहरदिवारी का निर्माण कार्य प्रगति पर।
- विधानसभा क्षेत्र में कई स्थानीय उपकेन्द्रों का निर्माण प्रगति पर।
- तरहसी में जमुनिया नाला, पांकी के पुरैनी नाला, एवं अन्य कई स्थानों पर चेक डैम का निर्माण।
- सिंचाई हेतु विभिन्न प्रखण्डों में तालाबों एवं आहर जीर्णोद्धार, अमृत वर्ष पर अमृत सरोवरों का निर्माण।
- पांकी के माइन में कहुआ नाला, दूब मुख्य पथ में सुनेरी बांध, कंदाखाड़, पिछुलिया नाला एवं अन्य स्थानों पर पुलिया निर्माण।
- पिरी, चाको, सोनरे, जमुने सिंचाई परियोजना लगभग 300 करोड़ की लागत से प्रक्रियाधीन।
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से देश में 80 करोड़ जनताको प्रति यूनिट 5 kg मुफ्त राशन भिलाना हुआ सुनिश्चित।

हमारा उद्देश्य हमारा प्रयास हमारा संकल्प

- हिन्दुत्व की रक्षा करना और धर्मान्तरण रोकना।
- पूर्व प्रतिनिधियों द्वारा ढ्के मुकदमे कर जेल भेजवाने की प्रथा बन्द करना।
- क्षेत्र में अमन-चैन, सुख-शान्ति लाना एवं भयादोहन से मुक्ति दिलाना।
- गरीबों के साय-साय हर वर्ग को मान सम्मान और हक अधिकार दिलाना।
- सभी SHG समूह के बहनों को सिलाई मशीन देकर स्वावलम्बी बनाना।

डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता
विधायक, 75 पाँकी (झारखण्ड)



RAMCHANDRA CHANDRAVANSI UNIVERSITY

E-mail : admission@rcu.edu.in, inforcu2018@gmail.com, Website : rcu.edu.in

RUN & MANAGED BY : RAMCHANDRA CHANDRAVANSI WELFARE TRUST

Affiliation & Recognition



Congratulations!

745 Total Placement
& Counting

HERO ELECTRIC	BYJU'S	BALI	MITSUBA
The smart move	The Learning App	BALI	MITSUBA
Subros	SNL Bearings Limited	HITACHI	Paytm
Anand	MARELLI	Inspire the Next	
Caparo	moterson	talbro	WABCO
TEXMO INDUSTRIES	Radiant	CARIA	SUPER SHAKTI
DURAFLOOR CONCRETE FLOORING	UTL SOLAR		



ADMISSION OPEN 2023-24

Courses Offered

FACULTY OF MEDICAL SCIENCE

- MBBS (Bachelor of Medicine & Bachelor of Surgery)

FACULTY OF ENGINEERING & TECHNOLOGY

- B. Tech (Bachelor of Technology), ME, EE, CSE, ECE, Civil (Lateral Entry)

- M. Tech (Master of Technology) ME, EEE, C.E & E.E

- Polytechnic ME, EEE, Civil • Lateral Entry

FACULTY OF NURSING & HEALTH SCIENCE

- GNM • ANM • B.Sc. Nursing

- Post Basic B.Sc. Nursing

- M.Sc. Nursing (Community Health, Child Health, Psychiatric, OBG, MSN)

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCE

- B.Sc. M.L.T • CERTIFICATE - Dresser

- DIPLOMA - MLT, O.T, Tech., X-Ray tech..

FACULTY OF PHARMACEUTICAL SCIENCE

- B. Pharma • B.Pharma (Lateral Entry)

- D.Pharma

FACULTY OF PHYSICAL EDUCATION

- B.P.Ed.

FACULTY OF EDUCATION

- D.El.Ed. • B.Ed. • M.Ed.

FACULTY OF HUMANITIES, SOCIAL & PHYSICAL SCIENCES

- B.A. • B.Sc. • B.Com.

DEGREE COURSES

- B.Lib. • B.B.A. • B.C.A.

DOCTOR OF PHILOSOPHY

- Ph.D. in all streams

DIPLOMA COURSES

- Library Science • Yoga • Disaster Mgmt. • Fashion Design

- Water Resource Management

- Alternative Energy Management

- Logistic & Supply Chain Management

- Education & Vocational Guidance

POST-GRADUATION COURSES

- M.A. (Psychology, Economics, History, Geography, Hindi, English, Political Science, Sociology, Urdu, Youth Development, Journalism & Mass Media, Music & dance, Women Devt. & Empowerment)

- M.Lib. • M.R.D. • M.Com. (Accounts)

- M.A.(Education) • M.C.A.

- M.B.A. (HR, Marketing, Finance, IT, Tourism, Health, Admin & Mgmt.)

- M.Sc. (Physics, Chemistry, Maths, B.Sc. Zoology, Botany, Geology)

- M. Phil



Campus : Bishrampur, Palamu 822132 (Jharkhand) | Contact : +91 7482034501, 7481034518, 74640 34524

City Office : Aastha Regency, T-15 (Triplex), Near Cosmic Bajaj, Ratu Road, Ranchi (Jharkhand)



न्यूज डायरी

रांची में सीएम, दुमका में राज्यपाल फहरायेंगे झंडा

रांची। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह मंत्रीहावादी मैदान में होगा। मंगलवार को सीएम हेमंत सोरेन सुबह 9 बजे झंडातोलन करेंगे। वहीं राज्यपाल सीधी राधाकृष्णन दुमका में झंडा फहरायेंगे। राज्य के अन्य केंद्रिय मंत्री विभिन्न जिलों में झंडोतोलन करेंगे। इस संबंध में मरिमंडल संविधान एवं समन्वय विभाग ने निर्देश जारी किया है और सभी जिलों को सूचना दी है। मोराबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस की तैयारी पूरी कर ली गयी है।

माले नेता की हत्या से लातेहार में आक्रोश

लातेहार। माले नेता हत्या से आक्रोशित लोगों ने रविवार को रोड जाम कर दिया। लोगों की मांग है कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफतार किया जाये और युवा नेता के रविवार को सुआजवान दिया जाये। मनिका थाना क्षेत्र में शनिवार की देर रात अल्पाहियों ने माले नेता नंद देव सिंह की हत्या कर दी। रविवार की सुबह उनका शव बारामद किया गया।

राष्ट्रपति आज राष्ट्र को करेंगी संबोधित

नवी दिल्ली। राष्ट्रपति द्वारा पूर्वु सोमवार को 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्वी संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। उनका यह संबोधन आकाशशांति के सम्मुख राष्ट्रीय नेटवर्क पर शाम 7 बजे से प्रसारित किया जायेगा। राष्ट्रपति का संबोधन दूरदर्शन के सभी चैनलों पर हिंदी में और उसके अंग्रेजी में प्रसारित किया जायेगा। दूरदर्शन पर हिंदी और अंग्रेजी में संबोधन के प्रसारण के बाद दूरदर्शन के क्षेत्रीय चैनल भी क्षेत्रीय भाषाओं में इसका प्रसारण करेंगे।

48 घटे में 18 मरीजों की मौत, जांच का आदेश

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे शहर के कलावा में नगर निकाय द्वारा संचालित छतपाली शिवाजी महाराज अस्पताल में पिछले 24 घंटे में 18 मरीजों की मौत की खबर से नसनसी मच गयी है। इस मामले को लेकर सीएम एकनाथ शिंदे ने जांच का आदेश दे दिया है उन्होंने 48 घंटे में रिपोर्ट मांगी है। वहीं ठाणे नगर आयुक्त अधिकारी बांगा ने बताया, पिछले 48 घंटों में 18 मरीजों की मौत हुई है, जिन मरीजों की मौत हुई है उनमें से कुछ फहले से ही क्रोनिक फिडनी रोग, निमित्या, हृदय रोग, दीर्घकालिक फेफड़ के रोग, सुकड़ दुर्घटना और अन्य वीमारियों का इलाज करा रहे थे।

अमेरिका के जंगल में आग से 89 की मौत

वारिंगटन। अमेरिका के हवाई प्रांत में जगल में लगी आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 89 हो गयी है। इसे पिछले सौ वर्षों से भी अधिक समय में जगल में लगी अब तक वीं सबसे भयानक आग बताया जा रहा है। इसमें मरने वालों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

सीएम ने किया मॉल ऑफ रांची का उद्घाटन

पली संग देखी फिल्म गदर-2, प्रकाश झा भी थे साथ



रांची। रातु रोड स्थित मॉल ऑफ रांची का रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पली रांची के प्रबन्धित सोरेन ने दीप जला कर उद्घाटन किया। मॉल ऑफ रांची के पीजेपी सिनेमा हॉल का भी विविवत उद्घाटन किया और दो टिकट खरीद कर पत्ती कल्पना सोरेन संग फिल्म गदर-2 देखी। सीएम ने कहा कि यहां एक छत की नीचे कई मुख्यांग राजधानी वासियों को मिलेगा। पर्यावरण के मुख्यांग से सवाल किया कि पत्ती के साथ आखिरी बार कर फिल्म देखी है। इस पर हेमंत सोरेन ने जवाब दिया कि ऐसे जिम्मेवारी के साथ चल रहा हूं कि यह बता पाना मुश्किल है।

माले नेता की हत्या से लातेहार में आक्रोश

लातेहार। माले नेता हत्या से आक्रोशित लोगों ने रविवार को सुआजवान दिया जाये। मनिका थाना क्षेत्र में शनिवार की देर रात अल्पाहियों ने माले नेता नंद देव सिंह की हत्या कर दी। रविवार की सुबह उनका शव बारामद किया गया।

यशोदा देवी दुमरी से एनडीए की प्रत्याशी

17 को करेंगी नामांकन, मंत्री बेबी देवी से मुकाबला



रांची। दुमरी विधानसभा उपचुनाव के लिए एवं रविवार को एनडीए ने प्रत्याशी की घोषणा कर दी। आजसू पार्टी की यशोदा देवी उम्मीदवार होंगी। ज्ञामुणी की ओर से नवी गंठबंधन इंडिया की प्रत्याशी मंत्री बेबी देवी (ज्ञामुणी) से उनका मुकाबला होगा। आंबेलकारी नेता स्व दामोदर महरोंगे की पत्ती यशोदा देवी 17 को नामांकन करेंगी। वहीं बेबी देवी स्व जरनाल महरोंगे की पत्ती देवी को नाम की घोषणा होते ही अब दुमरी के रणनीतिक में दो महिलाओं के बीच संघीट टक्कर के असार बन गये हैं। दुमरी उपचुनाव एनडीए की जीत की रणनीति बनायी। अमर बाड़ी, लुईस मरांडी, अमित मंडल, जेपी भाई पटेल सहित भाजपा महानगर के पदधारी समेत आजसू की ओर से सुदेश महरोंगे, सांसद जेपी चौधरी और लंबोदर महरोंगे बैठक में मौजूद होंगे।

पाकिस्तान के ग्वादर में बीएलए का हमला

4 घीनी नागरिक, 13 पाक सैनिक मारे गये

करचाई(जेंसी)। पाकिस्तान के असात बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर शहर में रविवार को चरमपंथी ने चीन के कर्मचारियों को ले जा रहे थे।

पाकिस्तानी नागरिक और पार्टीप्रेल्पर के बीच घोषणाएं ने चीन के कर्मचारियों को ले जा रहे थे। इस प्रमुख बंदरगाह अरबों डॉलर की लागत उल्लेख नहीं किया गया। बलूचिस्तान में संक्रिय चरमपंथी संगठन बलूच लिवरेशन आर्मी - मजीद ब्रिगेड ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। चीन के भी कई विवादों के बीच जीवित और अधिकारियों का इलाज करा रहे हैं। (शेष पेज 11 पर)

लालकिला से मिल रुकता है 2024 का संदेश

पीएम मंगलवार को देंगे अपने दूसरे कार्यकाल का आखिरी संबोधन

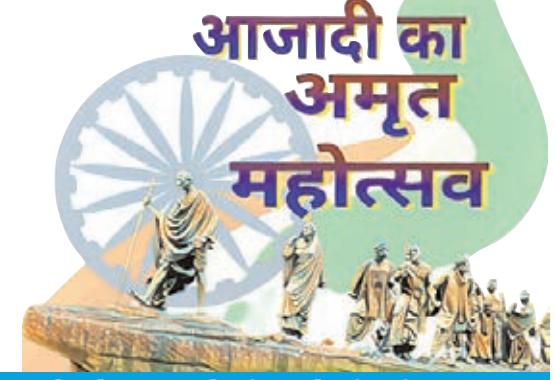


होगा। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले का यह आखिरी संबोधन है। यह तो तय है कि वह आजादी के अमृतकाल से विकसित भारत की ओर बढ़े कर्दम पर विशेष चर्चा करेंगे। इस स्वतंत्रता दिवस पर पिछले दो वर्ष से जारी आजादी का अमृत महात्मा आयोजन सम्पन्न हो रहे हैं। इनकी शुरुआत पीएम ने 12 मार्च 2021 के अंतिम आंतरिक अमृत काल में दो साल बाद भारत के अमृतदाव में साक्षरता आयोजन के तौर पर शुरू आया।

अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। इनमें अन्वा-अलव-पेशों से जुड़े एक हजार आठ सौ अंतिथिहस्ता लोग हैं। यह पहले यह जन-शहीदों के अवधार के दृष्टिकोण के अनुसार होगा। इनकी शुरुआत जीवित और अधिक सशक्ति के लिए देश नये उत्साह के लिए किया गया है। इनकी शुरुआत विशेष चर्चा की जीवित और अधिक सशक्ति के लिए देश नये उत्साह के लिए किया गया है। इनकी शुरुआत विशेष चर्चा की जीवित और अधिक सशक्ति के लिए देश नये उत्साह के लिए किया गया है।

(शेष पेज 11 पर)

सबकी बात सबके साथ



झारखंड के लाल को नम आंखों से दी अंतिम विदाई

राजकीय सम्मान के साथ पैतृक गांव में अंतिम, भाई ने दी मुख्यांग

तिरंगे में लिपटे शहीद की झालक पाने की उमड़ी भीड़



राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्करण दिया गया। पार्थिव शरीर और सूरक्षा बलों की मुठभेड़ में शहीद हुए गिरिंदीह के 28 वर्षीय शहीद जवान अंजय राय का शव वायु सेना के हेलीकॉप्टर से रविवार को रांची पहुंचा। रांची से शहीद जवान के पार्थिव शरीर को सेना की गाड़ी से गिरिंदीह के देवरी लाया गया। गाड़ी से गिरिंदीह के देवरी लाया गया। गांव के मुकुटधाम में राजकीय

तिरंगे में लिपटा शहीद का पार्थिव शरीर और कुलों से सजा वाहन और उनकी तस्वीर हजारों की भीड़ को एहसास कराने लिए कानूनी अंतिम संस्करण के लिए बदल दिया गया।

तालाब में झूबने से संथाल में छह बच्चों की हुई मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। उपराजधानी दुमका और गोड़ा में तालाब में नहाने के दौरान छह बच्चों की मौत हो गयी। सभी बच्चों की उम्र दस साल के पृथिवी तिरंगे के साथ आंखों में नहाने के दौरान हुआ। इनमें तीन लड़की और एक लड़का हैं। वहाँ दूसरी अंग भागमा, गोड़ा के मोहनपुर गांव के पास पानी भरे गड्ढे में झूबने से दो बच्चों की मौत हो गयी। इन दोनों हादसों से जुड़ा हुआ है और यह राष्ट्र की प्रतिक्रिया के लिए और अधिक परिश्रम करने के लिए प्रेरित करता है। अपनी तक एक लड़कों को उम्रोड कर चुके हैं।

गोड़ा में पानी

मानव तस्करी का दंड

मा नव तस्करी निषेध दिवस पर वर्ष 2016 से 2022 तक की जारी रिपोर्ट न केवल चिंतनक है बरन वह विकास की पोल खोलती हुई भी नजर आती है। यह रिपोर्ट रिवाया को नोबेल पुरस्कार विजेता नवागत सम्मानीय द्वारा उन्हीं के नाम पर विवादित चिरंदेस काउंटेन की जारी की गयी। इसे 'चाइल्ड ट्रैफिकिंग इन इंडिया: इनसाइट्स प्रॉम सियुएशनल डाया एनालिसिस एंड दी नीड फॉर टेक डिवन इंटरवेन्शन स्ट्रेटेजी' के नाम से प्रकाशित किया गया है। इसमें 2016-22 के दौरान हुई मानव तस्करी के विस्तृत आंकड़े व विवरण तो दिये ही गये हैं, इस अपाराध की रोकथाम के उपयोग भी सुझाए गये हैं। वैसे इस रिपोर्ट के अनुसार कोरोना के बाद मानव तस्करी में बेतहास डाका कर्ज हुआ है, विशेषकर बच्चों की तरकीर के मामले में। देश में 21 राज्यों में दौरान में ये सर्वेक्षणों के आधार पर तैयार रिपोर्ट दुखाई है। इसमें बताया गया है कि उपरोक्त बतलाइ गयी अवधि में ज्यादातर बच्चों की ही तस्करी हुई है लैकिन महामारी के पश्चात ऐसे मामलों में 68 प्रतिशत की बढ़ोतारी हुई है। बढ़े ऐसे नए बच्चों को उनके जीवन जीन और शिक्षा के अधिकार से बचाया गया है। रिपोर्ट बतलाती है कि 13 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के 15 फीसदी से अधिक बच्चे विभिन्न तरह की दुकानों, ढांचों एवं उद्योगों में काम करते हैं, तो वहीं 13 फीसदी कपड़े की दुकानों से आजाविका प्राप्त करते हैं। 11 फीसदी से ज्यादा बच्चे खुदरा दुकानों में काम करते हुए गुजारा कर रहे हैं। उपरोक्त उल्लेखित अवधि वाली 2016-22 के दौरान बच्चों की तस्करी की गयी उम्रों 11 से 12 वर्ष और 2 फीसदी 9 साल से उम्र के हैं। फारंडेस के सभी योग्यों ने 13500 से ज्यादा बच्चों को उनके कामों (दुकानें, दाढ़े, उद्योग) से छुड़ाया।

पुनावी सत्र

स न दिनों तक चली इस बहस का निचोड़ देखेंगे तो यही सामने आता है कि सभी नेताओं ने अपने अपने जारीनीकता के लिए बहाल होने के बाद काग्रेस ने उनका आधारण करके अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचालन किया। इसके अलावा, एनडीए और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने अपनी अपनी पार्टी से बचकों के रूप में लोगों का चयन करते समय चुनाव से जुड़े होते को ही ध्यान में रखा। देखा जाये तो सभी पार्टीयों के प्रारंभिक देखाव से अपने भाग्य को ज्यादा से बढ़ावा देने के बाद लोकप्रिय कांगड़े को बदल दिया गया। यह लोकप्रिय कांगड़े की विजय वाली जारी की गयी।

अदिवासी महिलाएं आदिवासी समुदाय की रीढ़ है, वे पारंपरिक पैतृक ज्ञान के संरक्षण और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आदिवासी महिलाएं लोगों द्वारा बोली जाती हैं। आदिवासी महिलाएं प्रकृति की पूजा करते हैं, प्रकृति में जीते हैं, जल, जंगल एवं जमीन से जुड़े इन लोगों ने प्रकृति पर्यावरण को उनके जीवन जीन और शिक्षा के अधिकार से बचाया। ग्रह पर कुल मानव आजादी का लगभग 47 करोड़ द्विसा आदिवासी लोगों का है। इसके अलावा, दुनिया में 100 से अधिक गैर-संपर्क जनजातियां हैं। दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाएँ आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती हैं। आदिवासी महिलाएं लोगों के बावजूद उनकी एक अधिन भूमिका है। दुनिया भर में रहने वाले 47 करोड़ आदिवासी और जनजाति समुदायों के सामने जंगलों का कटना और उनकी पारंपरिक जमीन की चोरी सबसे बड़ी चुनौती है। वे धर्म और जीवन के लिए लोकप्रिय कांगड़े को बदल दिया गया। यह लोगों के बावजूद उनकी एक अधिन सामूहिक और सामुदायिक भूमिका है। दुनिया भर में रहने वाले 47 करोड़ आदिवासी और जनजाति समुदायों के सामने जंगलों का कटना और उनकी पारंपरिक जमीन की चोरी सबसे बड़ी चुनौती है।

अदिवासी महिलाएं आदिवासी समुदाय की रीढ़ है, वे पारंपरिक पैतृक ज्ञान के संरक्षण और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल और वैज्ञानिक ज्ञान के संरक्षण के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व में शांति कायाहा हो जाती है की थीम पर यह दिवस मनाया जायेगा। यह दिवस उन उपलब्धियों और व्यापक सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व में शांति कायाहा हो जाती है की थीम पर यह दिवस मनाया जायेगा। यह पर्यावरण के लिए लोगों को मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था। ग्रह पर कुल मानव आजादी का लगभग 47 करोड़ द्विसा आदिवासी लोगों का है। इसके अलावा, दुनिया में 100 से अधिक गैर-संपर्क जनजातियां हैं। दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाएँ आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती हैं। आदिवासी महिलाएं लोगों के बावजूद उनकी एक अधिन प्रकृति की पूजा करते हैं, प्रकृति में जीते हैं, जल, जंगल एवं जमीन से जुड़े इन लोगों ने प्रकृति पर्यावरण को उनके जीवन जीन और शिक्षा के अधिकार से बचाया। ग्रह पर कुल मानव आजादी का लगभग 47 करोड़ द्विसा आदिवासी लोगों का है। इसके अलावा, दुनिया में 100 से अधिक गैर-संपर्क जनजातियां हैं। दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाएँ आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती हैं। आदिवासी महिलाएं लोगों के बावजूद उनकी एक अधिन सामूहिक और सामुदायिक भूमिका है। दुनिया भर में रहने वाले 47 करोड़ आदिवासी और जनजाति समुदायों के सामने जंगलों का कटना और उनकी पारंपरिक जमीन की चोरी सबसे बड़ी चुनौती है।

अदिवासी महिलाएं आदिवासी समुदाय की रीढ़ है, वे पारंपरिक पैतृक ज्ञान के संरक्षण और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल और वैज्ञानिक ज्ञान के संरक्षण के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व में शांति कायाहा हो जाती है की थीम पर यह दिवस मनाया जायेगा। यह पर्यावरण के लिए लोगों को मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था। ग्रह पर कुल मानव आजादी का लगभग 47 करोड़ द्विसा आदिवासी लोगों का है। इसके अलावा, दुनिया में 100 से अधिक गैर-संपर्क जनजातियां हैं। दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाएँ आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती हैं। आदिवासी महिलाएं लोगों के बावजूद उनकी एक अधिन प्रकृति की पूजा करते हैं, प्रकृति में जीते हैं, जल, जंगल एवं जमीन से जुड़े इन लोगों ने प्रकृति पर्यावरण को उनके जीवन जीन और शिक्षा के अधिकार से बचाया। ग्रह पर कुल मानव आजादी का लगभग 47 करोड़ द्विसा आदिवासी लोगों का है। इसके अलावा, दुनिया में 100 से अधिक गैर-संपर्क जनजातियां हैं। दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाएँ आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती हैं। आदिवासी महिलाएं लोगों के बावजूद उनकी एक अधिन सामूहिक और सामुदायिक भूमिका है। दुनिया भर में रहने वाले 47 करोड़ आदिवासी और जनजाति समुदायों के सामने जंगलों का कटना और उनकी पारंपरिक जमीन की चोरी सबसे बड़ी चुनौती है।

अदिवासी महिलाएं आदिवासी समुदाय की रीढ़ है, वे पारंपरिक पैतृक ज्ञान के संरक्षण और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल और वैज्ञानिक ज्ञान के संरक्षण के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व में शांति कायाहा हो जाती है की थीम पर यह दिवस मनाया जायेगा। यह पर्यावरण के लिए लोगों को मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था। ग्रह पर कुल मानव आजादी का लगभग 47 करोड़ द्विसा आदिवासी लोगों का है। इसके अलावा, दुनिया में 100 से अधिक गैर-संपर्क जनजातियां हैं। दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाएँ आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती हैं। आदिवासी महिलाएं लोगों के बावजूद उनकी एक अधिन प्रकृति की पूजा करते हैं, प्रकृति में जीते हैं, जल, जंगल एवं जमीन से जुड़े इन लोगों ने प्रकृति पर्यावरण को उनके जीवन जीन और शिक्षा के अधिकार से बचाया। ग्रह पर कुल मानव आजादी का लगभग 47 करोड़ द्विसा आदिवासी लोगों का है। इसके अलावा, दुनिया में 100 से अधिक गैर-संपर्क जनजातियां हैं। दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाएँ आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती हैं। आदिवासी महिलाएं लोगों के बावजूद उनकी एक अधिन सामूहिक और सामुदायिक भूमिका है। दुनिया भर में रहने वाले 47 करोड़ आदिवासी और जनजाति समुदायों के सामने जंगलों का कटना और उनकी पारंपरिक जमीन की चोरी सबसे बड़ी चुनौती है।

अदिवासी महिलाएं आदिवासी समुदाय की रीढ़ है, वे पारंपरिक पैतृक ज्ञान के संरक्षण और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल और वैज्ञानिक ज्ञान के संरक्षण के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व में शांति कायाहा हो जाती है की थीम पर यह दिवस मनाया जायेगा। यह पर्यावरण के लिए लोगों को मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था। ग्रह पर कुल मानव आजादी का लगभग 47 करोड़ द्विसा आदिवासी लोगों का है। इसके अलावा, दुनिया में 100 से अधिक गैर-संपर्क जनजातियां हैं। दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाएँ आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती हैं। आदिवासी महिलाएं लोगों के बावजूद उनकी एक अधिन प्रकृति की पूजा करते हैं, प्रकृति में जीते हैं, जल, जंगल एवं जमीन से जुड़े इन लोगों ने प्रकृति पर्यावरण को उनके जीवन ज



आजादी के बाद भारत के कृषि क्षेत्र को बदलने के कावायद



डॉ. मनसुख मंडविया

(लेखक के द्वारा राजनीति और उर्वरक, और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हैं।) आर्थिक स्तरें 2022-23 के अनुसार, देश की लगभग 65% आजादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और 47% विधिवाका के लिए कृषि पर निर्भर है। कृषि एक समयकालीन गतिविधि है जिसमें उत्पादन और उत्पादकता को अधिकतम करने के लिए सही समय पर सही कृषि-इनपुट की आवश्यकता होती है। कृषि-इनपुट कृषि के आवश्यक तत्व हैं और एक कृषि दुकानों में किसानों तक पहुंचती है।

इस प्रकार, मौजूदा उर्वरक खुदरा दुकानों को वन-स्टॉप शॉप समाधान,

महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भारत में, इनपुट सेवाओं का नेटवर्क बिखरा हुआ है और साइटों में बीज, उर्वरक, कीटनाशकों और उपकरणों के लिए अलावा, मिट्टी, बीज, उर्वरक की जांच की सुविधाएं और विभिन्न योजनाओं की जानकारी अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से असंबद्ध और टुकड़ों में किसानों तक पहुंचती है।

यह व्यवस्था एक समुचित निर्णय लेने के लिए प्रायोगिकी-आधारित समग्र जनकारी प्रदान करने में विफल रहता है।

जिसका समाधान सरकार द्वारा समर्थित एक छत के नीचे किसानों को समग्र सुविधाएं प्रदान करने में निहित है, जिसका लाभ भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और 47% विधिवाका के लिए कृषि पर निर्भर है। कृषि एक समयकालीन गतिविधि है जिसमें उत्पादन और उत्पादकता को अधिकतम करने के लिए सही समय पर सही कृषि-इनपुट की आवश्यकता होती है। कृषि-इनपुट कृषि के आवश्यक तत्व हैं और एक कृषि दुकानों में किसानों तक पहुंचती है।

इस प्रकार, मौजूदा उर्वरक खुदरा दुकानों को वन-स्टॉप शॉप समाधान,

प्रधान मंत्री किसान समुद्धि केंद्र (पीएमकेएस्के) में बदलने का विचार किसानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक स्थायी और दीर्घकालिक समाधान के रूप में सामने आया है। इस कार्यक्रम ने देश के कृषि क्षेत्र में कृषिकारी परिवर्तन की खुलासा की जानकारी की जांच की सुविधाएं और विभिन्न योजनाओं की जानकारी अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से असंबद्ध और टुकड़ों में किसानों तक पहुंचती है।

यह व्यवस्था एक समुचित निर्णय लेने के लिए प्रायोगिकी-आधारित समग्र जनकारी प्रदान करने में विफल रहता है।

जिसका समाधान सरकार द्वारा समर्थित एक छत के नीचे किसानों को समग्र सुविधाएं प्रदान करने में निहित है, जिसका लाभ भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और 47% विधिवाका के लिए कृषि पर निर्भर है। कृषि एक समयकालीन गतिविधि है जिसमें उत्पादन और उत्पादकता को अधिकतम करने के लिए सही समय पर सही कृषि-इनपुट की आवश्यकता होती है। कृषि-इनपुट कृषि के आवश्यक तत्व हैं और एक कृषि दुकानों में किसानों तक पहुंचती है।

इस प्रकार, मौजूदा उर्वरक खुदरा दुकानों को वन-स्टॉप शॉप समाधान,

कृषि में विकास से आजादी के बाद सबसे अधिक लाभ किसानों को

प्रधानमंत्री के प्रावधान भी है। किसानों को उनकी विशिष्ट मिट्टी और फसल की स्थितियों के बारे में जान प्रदान करके, ये सुविधाएं उत्तर निर्णय लेने, अनुकूलित समाधान उत्पादन और उच्च पैदावार को समझ बनाती है। यह सीटीक कृषि और संसाधन-कुशल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, पीएमकेएस्के एक जान केंद्र के रूप में काम करते हैं, जो फसलों और सरकारी कल्याण योजनाओं पर महत्वपूर्ण जनकारी प्रदान करते हैं।

जानकारी का प्रसार करते हैं। सूचना अंतर को पाठ्य द्वारा हुए, ये केंद्र किसानों को सही विकल्प चुनने के लिए सशक्त बनाते हैं, जिससे उनकी दक्षता और

और यह पाया गया है कि वे पीएमकेएस्के के माहौल और उपलब्ध इनपुट से खुश हैं। इन पीएमकेएस्के के माध्यम से नेतृयों योरिया की बी 6 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। उर्वरक कंपनियों द्वारा उन उद्यमी उर्वरकों और रसायनों के छिङ्काव को बेहतर तरीके से बढ़ावा देने के लिए धीरे-धीरे किसानों को पीएमकेएस्के के साथ जोड़ पाया गया है। राज्यों, केंद्रीय और डीलरों के बीच बढ़ते सबधौं के परिणामस्वरूप जान और सेवाओं का सफल प्रसार हुआ है।

पीएमकेएस्के पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के किसानों को परेशानी मुक्त तरीके से उर्वरक, बीड़ी और कीटनाशक, ड्रोन सेवाओं और कीटनाशकों सहित छोटी कृषि मशीनों सहित कृषि-इनपुट की एक विविध श्रृंखला की पेशकश केरिंग है। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के के नीचे किसानों को सशक्त बनाने और देश के सशक्त बनाने और देश के अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने में गेम चेंजर साबित हो रही है।

पीएमकेएस्के पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के किसानों को परेशानी मुक्त तरीके से उर्वरक, बीड़ी और कीटनाशक, ड्रोन सेवाओं और कीटनाशकों सहित छोटी कृषि मशीनों सहित कृषि-इनपुट की एक विविध श्रृंखला की पेशकश केरिंग है। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के के नीचे किसानों को सशक्त बनाने और देश के सशक्त बनाने और देश के अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने में गेम चेंजर साबित हो रही है।

पीएमकेएस्के पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के किसानों को परेशानी मुक्त तरीके से उर्वरक, बीड़ी और कीटनाशक, ड्रोन सेवाओं और कीटनाशकों सहित छोटी कृषि मशीनों सहित कृषि-इनपुट की एक विविध श्रृंखला की पेशकश केरिंग है। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के के नीचे किसानों को सशक्त बनाने और देश के सशक्त बनाने और देश के अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने में गेम चेंजर साबित हो रही है।

पीएमकेएस्के पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के किसानों को परेशानी मुक्त तरीके से उर्वरक, बीड़ी और कीटनाशक, ड्रोन सेवाओं और कीटनाशकों सहित छोटी कृषि मशीनों सहित कृषि-इनपुट की एक विविध श्रृंखला की पेशकश केरिंग है। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के के नीचे किसानों को सशक्त बनाने और देश के सशक्त बनाने और देश के अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने में गेम चेंजर साबित हो रही है।

पीएमकेएस्के पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के किसानों को परेशानी मुक्त तरीके से उर्वरक, बीड़ी और कीटनाशक, ड्रोन सेवाओं और कीटनाशकों सहित छोटी कृषि मशीनों सहित कृषि-इनपुट की एक विविध श्रृंखला की पेशकश केरिंग है। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के के नीचे किसानों को सशक्त बनाने और देश के सशक्त बनाने और देश के अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने में गेम चेंजर साबित हो रही है।

पीएमकेएस्के पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के किसानों को परेशानी मुक्त तरीके से उर्वरक, बीड़ी और कीटनाशक, ड्रोन सेवाओं और कीटनाशकों सहित छोटी कृषि मशीनों सहित कृषि-इनपुट की एक विविध श्रृंखला की पेशकश केरिंग है। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, लगभग 280,000 सक्रिय खुदरा उर्वरक दुकानें किसानों के लिए व्यापक वन-स्टॉप शॉप में चरणबद्ध रूपांतरण के दौर से गुजर रही हैं। इसके मूल में, पीएमकेएस्के के नीचे किसानों को सशक्त बनाने और देश के सशक्त बनाने और देश के अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने में गेम चेंजर साबित हो रही है।

पीएमकेएस्के

गया के शेरघाटी में ई रिक्षा में हुआ बम ब्लास्ट

तीन अपराधी बोरे में ले जा रहे थे विस्फोटक, घमाके से हुए घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

गया। जिले के शेरघाटी में शनिवार की देर बग्ना ई रिक्षा में बम ब्लास्ट की घटना हुई है। विस्फोट इतना तेज हुआ कि ई रिक्षा में तीन अपराधी बम को ले जा रहे थे। इस दौरान बम ब्लास्ट की घटना हुई, जिसमें तीन अपराधी घायल हो गए। घटना की सूचना पर बोरे में खब बम को लेकर जा रहे थे कि अचानक शेरघाटी के गोपालपुर सोनखाप मोड़ के समीप ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट की घटना में ई रिक्षा पर बैठे तीन अपराधी घायल हो गए। घटना के रूप में हुई है। गिरफ्तार होने वाले तीनों जखी अपराधियों का पुलिस अधिकारी में अनुबंधल स्वास्थ्य केंद्र



**पेश की मानवता की मिसाल
गाय के बछड़े को थाना प्रभारी
ने स्वयं कुदाल थाम दफनाया**



खबर मन्त्र संवाददाता

जामा। थाना क्षेत्र के डुमका मसलिया मुख्यमांग पर रविवार के सुबह कमारुधारी आचरी स्टेंडिंग के निकट एक गाय का बछड़ा को किसी अज्ञात वाहन से धक्का लाने से मृत्यु हो गयी थी। घटना की सूचना ग्रामीणों ने जामा थाना को दिया। थाना प्रभारी जितन्द्र का पर पहुंचे और चौकीदार व ग्रामीण के सहयोग से सड़क से कुछ दूरी पर गड्ढा कर मृत बछड़े को सभी के सहयोग से दफनाया। इस कार्य में थाना प्रभारी के साथ ग्रामीणों ने उत्तराधिकारी विवरण सहित पुलिस के बछड़ा को किसी अज्ञात वाहन से धक्का लाने से मृत्यु हो गयी थी। घटना की सूचना ग्रामीणों ने जामा थाना को दिया। थाना प्रभारी जितन्द्र का पर पहुंचे और चौकीदार व ग्रामीण के सहयोग से सड़क से कुछ दूरी पर गड्ढा कर मृत बछड़े को सभी के सहयोग से दफनाया।

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जिले के पथरिया पोखर में रविवार को झिंडा गांव के चार बच्चों की मौत स्नान करने के दौरान हो गया। जिसमें तीन बच्ची एवं एक लड़का शामिल है। मृतक तीन बच्ची एक ही परिवार के बताया जा रहा है। जबकि मृत बालक गांव का ही है। मृतक बच्चों में कुमार 12 वर्ष पिता श्याम यादव, रेखा कुमारी 10 वर्ष पिता सुबोध मांझी, जानगंगा कुमारी 12 वर्ष पिता छविकांत मांझी एवं नंदनी कुमारी 10 वर्ष पिता संबोध मांझी शामिल है। इसमें सुबोध मांझी, छविकांत मांझी एवं संतोष मांझी तीन आपस में भाई लगते हैं। जानकारी के अनुसार रविवार का दिन रहने के कारण स्कूल में छुट्टी रहने से तीनों बच्चियों गांव के



**एन्स्ट्रॉट्रॉन पर सुशील
नोदी ने नगानगढ़वन की
राजनीति का किया**

खुलासा

पटना। दरभंगा एस्स को लेकर राज्यसभा सासंग सुशील कुमार मोदी ने रविवार को कहा कि अराजेडी और जेडीयू के बीच होड़ मच गई। आराजेडी के विरिट नेता भोला यादव ने प्रेस कॉफ्रेंस किया और वह कहा कि दरभंगा मेडिकल कॉलेज परिसर में नवी बल्क हायाघट में अशोक पेपर मिल का जो कैप्स नहीं है वहाँ एस्स बनेगा। इस पर जेडीयू के लोगों का दिन रहने में उत्तराधिकारी ने एस्स को ध्वनि दिया और वह कहा कि आराजेडी के लोगों के लिए चल दिया। पोखर

एनआइए की छापेमारी, युवक से पूछताछ

खबर मन्त्र संवाददाता

कटिहार। जिले में रविवार की सुबह एनआईए की टीम और कटिहार की पुलिस ने मुफसिल थाना क्षेत्र के मोंगरा गांव में छापेमारी की। इस छापेमारी में एक युवक को हिरासत में लिया। पटना के फुलवारी शरीफ टेरर मॉडलूल मामले को लेकर हैदराबाद से एनआईए की टीम कटिहार पहुंची थी। हिरासत में एस्स बनेगा और फिर अचानक डीएसीएच को लिए जाएगा। उसी टीम ने युवक से पूछताछ की। पूछताछ करने के बाद एनआईए की टीम ने शाम को युवक को छोड़ दिया। बता दें कि पिछले कुछ महीनों में एनआईए की टीम बिहार के अलग-अलग जिलों में लातार थालियां करती हैं और उन्हें नेताजी शुभानी ने एस्स किया। एक ही बात बताया है कि दरभंगा मेडिकल कॉलेज परिसर में एनआईए की टीम ने शाम को युवक को छोड़ दिया। बता दें कि पिछले



अनिसुर रहमान के द्वारा एनआईए टीम की बरगलाया गया और उन्हें कहा गया कि मो. गुलजार शनिवार से बाहर है। बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बहुं दिनों से बाहर रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बहुं दिनों से बाहर रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द्वारा हिरासत में रहने वाले नेताजी शुभानी को साथ दिया गया। उन्हें एक युवक का माकान है और उसके पास में ही उसका फूस का घर बन हुआ है। टीम के द्वारा उस घर की तराशी ली गई तो पत्थर के ढेर के पास मो. गुलजार छुपकर बैठा हुआ था, जिसे टीम ने हिरासत में ले लिया।

बाद में एनआईए की टीम के द